न्यूरो सर्जरी एवं ट्रोमा विभाग
डॉ. महेश महेश्वरी
(एम.सीएच. न्यूरो सर्जरी)
सिर व रीढ़ की हड्डी रोग विशेषज्ञ
सिर की चोट, सड़क दुर्घटना में घायल, ब्रेन ट्यूमर्स, रीढ़ की हड्डी की सर्जरी, रींगन बाव, लकवा, ब्रेन हैमरेज का इलाज
टांटिया हॉस्पिटल
0154-2481505
सुखाड़िया मार्ग, श्रीगंगानगर

टी मीडिया

tmedia@tantiauniversity.com

टांटिया समूह, श्रीगंगानगर का गौरवशाली प्रकाशन

बीकानेर सम्भाग में पहली बार विश्व की अत्याधुनिक व बड़ी
M.R.I. (एम.आर.आई.)
1.5 Tesla (16 Channel)
मशीन द्वारा जांच अब श्रीगंगानगर में

टांटिया जनरल हॉस्पिटल
सुखाड़िया मार्ग, श्रीगंगानगर
0154-2481505, 94139-50724
आपातकालीन सुविधाएं 24 घंटे उपलब्ध

वर्ष : 01 | अंक : 04 | पाक्षिक | श्रीगंगानगर | 30 जुलाई, 2020 | मोबाइल : 9461221718, 8005519250

सामाजिक सरोकारों की दिशा में टांटिया समूह का एक और कदम

टांटिया किसान सेवा केंद्र के माध्यम से शीघ्र शुरू होगा किसानों की दशा और दिशा में सकारात्मक बदलाव लाने का महायज्ञ

● राजकुमार जैन

टांटिया समूह की सामाजिक सरोकारों की दिशा में सक्रियता जारी है। चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में सभी के सहयोग से अपना परचम फहराने के बाद अब कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सेवा प्रकल्प शुरू किया जा रहा है। इसके अंतर्गत टांटिया विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के तत्वावधान में टांटिया किसान सेवा केंद्र शीघ्र प्रारम्भ होगा। टांटिया समूह इस केंद्र को किसानों की दिशा और दशा में सकारात्मक बदलाव लाने का महायज्ञ मान रहा है, यही वजह है कि केंद्र को बहुपयोगी बनाने के लिए कृषि संकाय के डीन डॉ. विचित्र सिंह और उनकी टीम जुटी हुई है। विश्वविद्यालय परिसर में जन सेवा हॉस्पिटल वाले मुख्य द्वार पर यह केंद्र शुरू होगा। इसमें प्रत्येक कार्य दिवस पर रोजाना दो घंटे विषय विशेषज्ञों की सलाह आदि किसानों के लिए निःशुल्क एवं रियायती दर पर उपलब्ध रहेगी। एक मोबाइल नम्बर देते हुए सातों दिन उपयोगी जानकारी प्रदान की जाएगी। खरीफ एवं रबी की प्रमुख फसलों, उद्यानिकी, पशुपालन आदि से जुड़ी हुई जानकारी उन्हें दी जाएगी।

सेवा केंद्र में आने वाले किसानों को जैविक खेती, जल प्रबंधन, केंचुआ खाद, मशरूम की खेती, खेती के साथ अन्य उपयोगी कार्यों एवं इस तरह की अन्य ज्ञानवर्धक बातों को बताया जाएगा। उनकी शंकाओं के समाधान की कोशिश की जाएगी।

...ताकि किसान के सपने हों अपने

डॉ. मोहित टांटिया

टांटिया समूह के वाइस चेयरमैन डॉ. मोहित टांटिया की हार्दिक इच्छा है कि किसानों के सपने अपने हों, इसी मूल मकसद को लेकर टांटिया किसान सेवा केंद्र की रूपरेखा बनाई गई है। उनका मानना है कि राज्य सरकार ने सरकारी कृषि महाविद्यालय स्वीकृत कर क्षेत्र को सौगात तो दी है, इसके बावजूद अभी भी किसानों के लिए बहुत कुछ किए जाने की दरकार है। सरकार को अन्य लोगों का भी साथ मिलना चाहिए। किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, श्रीगंगानगर इलाके की तो जान हैं। इसे ध्यान में रखते हुए डॉ. मोहित टांटिया ने किसानों को नई तकनीक से जोड़ने और किसान परिवार के सपने साकार करने में सहभागी बनने का बीड़ा उठाया है, इसी के दृष्टिगत टांटिया किसान सेवा केंद्र की रूपरेखा तैयार की गई है।

होगी सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने की कोशिश

सेवा केंद्र की कोशिश रहेगी कि किसान सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं से अधिकाधिक लाभान्वित हों। केंद्र से जुड़ने वाले किसानों को उनसे संबंधित सरकारी विभागों के बारे में न केवल बताया जाएगा, इन विभागों का सहयोग लेकर योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। टांटिया समूह की यह मंशा भी है कि किसान सेवा केंद्र पर अपने मिट्टी-पानी के नमूने लाने वाले किसानों को इनकी जांच की रिपोर्ट भी उपलब्ध करवाई जाएगी। किसानों को नवनीतम कृषि तकनीक से जुड़े फोल्डर आदि भी प्रदान किए जाएंगे।

किसान सेवा मित्र : फैलाएंगे खुशहाली का इत्र

टांटिया किसान सेवा केंद्र की पहुंच गांव-ढाणी तक हो, इसके लिए इलाके के गांवों में कम से कम पांच किसान सेवा मित्र बनाए जाएंगे। इनके माध्यम से किसानों तक महत्वपूर्ण बातों को पहुंचाया जाएगा। किसान सेवा मित्रों की समय-समय कार्यशाला, गोष्ठी आदि रखकर उन्हें एक तरह से मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जाएगा। विषय विशेषज्ञों, वरिष्ठ अधिकारियों, प्रगतिशील सफल किसानों आदि से उनकी चर्चाएं सुनिश्चित की जाएगी। सक्रिय भूमिका निभाने वाले किसान सेवा मित्रों को प्रति माह पुरस्कृत किए जाने की योजना भी है।

इलाके को थी बड़ी जरूरत, अब मिलेगा लाभ

57 तरह की एलर्जी जांच की सुविधा टांटिया हॉस्पिटल में उपलब्ध

श्रीगंगानगर।

डॉ. अभिषेक गुप्ता

सुखाड़िया मार्ग स्थित टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में 57 तरह की एलर्जी जांच की सुविधा अब उपलब्ध है। इसकी इलाके को बड़ी जरूरत थी, अब सभी को भारी लाभ मिलेगा। एलर्जी, टीबी एवं श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक गुप्ता के निर्देशन में स्क्रेच टेस्ट (एसपीटी) से एलर्जी की जांच के अंतर्गत मौसमी एलर्जी, भोजन (शाकाहार/मांसाहार), कीट पतंगे, धूल मिट्टी, फूल पराग कण, अन्य वातावरणीय एलर्जी की जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। गुरुवार (30 जुलाई) को एलर्जी जांच पर 25% की छूट दी जा रही है। टांटिया हॉस्पिटल में भामाशाह के अंतर्गत फेफड़े की बीमारी के लक्षण की दूरबीन से जांच की निःशुल्क सुविधा भी उपलब्ध है। लम्बे समय से खांसी, बिगड़ा हुआ निमोनिया, लम्बे समय से टीबी, खांसी में खून आना, फेफड़े में कैंसर के लक्षण आदि पर इलाज की सुविधा भी टांटिया हॉस्पिटल में उपलब्ध है।

इन एलर्जी का पता चलेगा

टांटिया हॉस्पिटल में अब जिन 57 तरह की एलर्जी की पता चलेगा, उस सूची में दूध, दही, चीज, पनीर, सेव, केला, नीम्बू, आम, चावल, अरहर दाल, गेहूं, सोयाबीन, टमाटर, आलू, लहसुन, अदरक, प्याज, खमीर, चाय, कॉफी, मिर्च पाउडर, काली मिर्च, कोका, डालडा घी, बादाम, मूंगफली, काजू, मुर्गी, अंडे का सफेद हिस्सा, अंडे की जर्दी, झींगा, भेड़े का मांस, चुन्नी मछली, गाय का मांस, घास, नीम, गरूड़ी, घर की धूल, कपास की धूल, कागज की धूल, गेहूं धूल, कबूतर पंख, कबूतर गोबर, फफूंद, चौलाई, घुन आदि शामिल है।

एलर्जी क्या है?

- एलर्जी से तात्पर्य वातावरण में पाए जाने वाले किसी विशिष्ट तत्व के प्रति शरीर की प्रतिरोध तंत्र द्वारा दी जाने वाली प्रतिक्रिया है।

माता-पिता में हो तो?

- एलर्जी से माता-पिता, दोनों पीड़ित हों तो बच्चे में एलर्जी होने की आशंका 75 प्रतिशत होती है, यदि एक पीड़ित हो तो 50 प्रतिशत आशंका रहती है।

टेस्ट से मिलती है मदद?

- एलर्जी स्किन टेस्टिंग से एलर्जी की जांच करने में मदद मिल सकती है। एक बार जांचे जाने के बाद लक्षण प्राकृतिक रूप से कम किए जा सकते हैं।

कैसे करें नियंत्रण?

- एलर्जी पैदा करने वाले तत्व से दूर रहें, इन्हें अपनी नाक से जितना दूर रखेंगे, उतना लाभ होगा। विशेषज्ञ चिकित्सक की राय भी लें और नियंत्रण पाएं।

जन सेवा हॉस्पिटल में रियायती दरों पर होगा हृदय रोगों का इलाज

सर्जन डॉ. आशीष एम. अग्रवाल एवं डॉ. दिव्या ए. अग्रवाल की नियमित सेवाएं प्रारम्भ

श्रीगंगानगर।

जन सेवा हॉस्पिटल में सीटीवीएस सर्जन डॉ. आशीष एम. अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. दिव्या ए. अग्रवाल ने विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण कर लिया है। अतिरिक्त निदेशक पवन गुप्ता, वरिष्ठ न्यूरो सर्जन डॉ. महेश माहेश्वरी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह एवं स्टाफ सदस्यों ने गुलदस्ते भेंट कर उनका स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेम मित्तल की सेवाएं पूर्व में ही जन सेवा हॉस्पिटल में उपलब्ध हैं। सीटीवीएस विभाग की सेवाओं के अंतर्गत बाइपास सर्जरी, वाल्व रिप्लेसमेंट, छाती की ग्रन्थियों, फेफड़ों, खून की नसों, डायलिसिस के लिए फिस्टुला सर्जरी, जन्मजात हृदय विकार आदि के ऑप्रेशन शीघ्र होने लगेंगे। अग्रवाल दम्पती की नियमित ओपीडी सेवाएं प्रारम्भ हो गई है। जो मरीज संबंधित ऑप्रेशन करवा चुके हैं, जिनको ऑप्रेशन करवाने हैं या जो हृदय, फेफड़ों, खून की नसों, छाती की ग्रन्थियों, जन्मजात हृदय विकार आदि से पीड़ित हैं, वे इस ओपीडी का अब लाभ उठा सकते हैं। डॉ. आशीष एम. अग्रवाल एवं डॉ. दिव्या ए. अग्रवाल कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेमिनार में व्याख्यान दे चुके हैं। डॉ. दिव्या अपने अध्ययन के दौरान स्वर्ण पदक से सम्मानित हो चुकी हैं।

डॉ. आशीष एम अग्रवाल

डॉ. दिव्या ए. अग्रवाल

जन सेवा हॉस्पिटल की लैब सुविधाओं से सभी हो रहे लाभान्वित

शकुन्तला देवी डायग्नोस्टिक्स ने विश्वसनीयता की छाप छोड़ी

श्रीगंगानगर।

टांटिया विश्वविद्यालय परिसर स्थित डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के शकुन्तला देवी डायग्नोस्टिक्स से सभी लाभान्वित हो रहे हैं। रियायती दर पर मिल रही उच्चस्तरीय लैब सुविधाओं ने अपनी छाप छोड़ी है, यही वजह है कि पूरी तरह विश्वसनीय इस लैब में हॉस्पिटल के मरीजों के अलावा बाहर से जांच के लिए नमूने आ रहे हैं। लैब में डॉ. दिशा गोयल एवं डॉ. डिम्पल कपूर की विशेषज्ञता एवं अनुभवी प्रशिक्षित स्टाफ के समर्पण, स्वभाव की बदौलत मरीज और उनके परिजन-परिचित प्रभावित हुए बिना नहीं रहते।

डॉ. दिशा गोयल

डॉ. डिम्पल कपूर

अत्याधुनिक उपकरणों, मशीनों से सुसज्जित यह लैब पूरे इलाके में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुकी है। हार्मोन्स संबंधी जांच लैब में हो रही है। कैंसर के मार्कर, कैंसर की पहचान आदि संबंधी कार्य हो रहा है। कैंसर की ग्रेड और स्टेज तक बताई जाती है। माइक्रोबॉयोलोजी होती है, इम्नोलॉजी के भी सभी टेस्ट हो रहे हैं। ऑटोमेटिक नवीनतम उपकरण होने से लैब में अधिकतर रिपोर्ट लगभग दो घंटे में देने की कोशिश रहती है। बायोप्सी की रिपोर्ट भी दो-तीन दिन में दी जा रही है। छह पार्ट की सीबीसी मशीन, हार्मोन्स की मशीन आदि की वजह से क्षेत्र के मरीजों तथा उनके परिवारजनों को भारी सुविधा हो रही है।

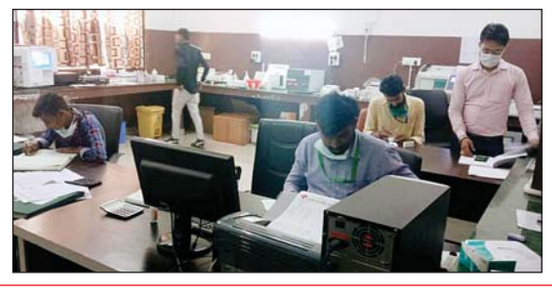

कोविड-19 संबंधी टेस्ट की तैयारी जारी

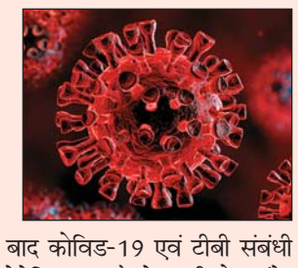

डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के शकुन्तला देवी डायग्नोस्टिक्स की विशेषताओं में और बढ़ोतरी करने की योजना है, इसके चलते कोरोना वायरस कोविड-19 से संबंधित टेस्ट की तैयारी की जा रही है। लैब सुविधाओं में इस अत्यन्त महत्वपूर्ण विस्तार के बाद कोविड-19 एवं टीबी संबंधी रिपोर्ट देना प्रारम्भ हो जाएगा। जेनेटिक स्तर के टेस्ट भी हो पाएंगे।

टांटिया विश्वविद्यालय की शान में लगातार हो रहा इजाफा

प्रदेशभर में खास पहचान बना रही है फैकल्टी ऑफ फिजीकल एजूकेशन

श्रीगंगानगर।

शारीरिक शिक्षा संकाय टांटिया विश्व विद्यालय (टीयू) की शान में लगातार इजाफा कर रहा है। यह फैकल्टी प्रदेशभर में पहचान बनाने में कामयाब रही है। शारीरिक शिक्षा संकाय सफलता के सोपान चढ़ता जा रहा है। इसके अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह कस्वां की विशेषज्ञता और मेहनत की बदौलत संकाय के विद्यार्थियों के सपने साकार हो रहे हैं।

पहली बार ऐसी मची धूम

शारीरिक शिक्षा संकाय के अथक प्रयास से बीकानेर संभाग में पहली बार ऐसी धूम मची कि टांटिया विश्व विद्यालय परिसर में उसकी मेजबानी में वर्ष 2018-19 में ऑल इंडिया वेस्ट जोन वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

इसकी भव्यता का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि देश के कुल 70 विश्वविद्यालयों की प्रविष्टियां आई और 56 टीमों ने भाग लिया। द्रोणाचार्य अवार्ड विजेता आरडी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

निशा शर्मा

गजेंद्रसिंह बिश्नोई

श्रवण कुमार

इन पर है सभी को नाज

टीयू के शारीरिक शिक्षा संकाय की छात्रा निशा शर्मा ने एशियाड बॉस्केटबाल में प्रतिनिधित्व किया और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की, वे अभी रेलवे में टीसी के पद पर कार्यरत है। संकाय के विद्यार्थी श्रवण कुमार ने खो-खो की अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में नेपाल को परास्त कर देश को विजेता बनाया, इन्होंने अपनी टीम की कप्तानी का गौरव भी हासिल किया। बीपीएड में अध्यनरत गजेंद्रसिंह बिश्नोई राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) की मुख्य परीक्षा के हाल ही में आए परिणाम में उत्तीर्ण हुए हैं।

बनता है सुनहरा कॅरियर

शारीरिक शिक्षा संकाय से जुड़ने वाले विद्यार्थियों का कॅरियर सुनहरा बना है। राजस्थान लोक सेवा आयोग की भर्तियों में संकाय के 67 विद्यार्थी शारीरिक शिक्षक लग चुके हैं। संकाय के प्राध्यापक सुमन भादू, सुनील कुमार एवं बलजीत सिंह भी राजकीय सेवा में चयनित हो चुके हैं। अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष डॉ. कस्वां एवं उनकी पूरी टीम कॅरियर निर्माण के प्रति मनोयोग से जुटी रहती है, इसी का नतीजा है कि विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों की अपेक्षाएं संकाय के माध्यम से पूरी हो रही है।

पर्यावरण से प्यार, हर समय तैयार

शारीरिक शिक्षा संकाय को पर्यावरण से ऐसा प्यार है कि हर समय इसके लिए तैयार रहते हैं। जिला उप वन संरक्षक की अपील पर वन महोत्सव मनाया जा चुका है। विश्वविद्यालय परिसर में करीब 4000 छायादार एवं फलदार पौधे लगाए जा चुके है। संकाय सदस्य और विद्यार्थी समय-समय पर पौधों की देखभाल करते है।

योग के क्षेत्र में बनाई पहचान

टीयू के शारीरिक शिक्षा संकाय ने योग के क्षेत्र में भी विशिष्ट पहचान बनाई है। दो बार एक माह का योग फांउडेशन कोर्स संचालित किया गया है। योग पर सेमिनार का आयोजन भी किया जा चुका है। संकाय के अंतर्गत अनुभवी एवं प्रशिक्षित विशेषज्ञ विद्यार्थियों को गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करते हैं।

खेलों में रहते हैं आगे

विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के 100 से अधिक खिलाड़ी छात्र-छात्राएं अखिल भारतीय स्तर की विश्वविद्यालयी खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन संकाय के माध्यम से कर चुके हैं। संकाय के खिलाड़ियों को वर्ष 2017-18 में ऑल इंडिया विश्वविद्यालय खेल स्पर्धा में खेलने का सुअवसर प्राप्त हुआ। संकाय का वॉलीबाल एवं बाक्सिंग अकादमी स्थापित करने का प्रयास जारी है।

डॉ. कस्वां की ख्याति चहुं ओर

शारीरिक शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह कस्वां की ख्याति चहुं ओर है। कुरुक्षेत्र, चंडीगढ़ एवं संगरिया के प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त डॉ. कस्वां वॉलीबाल के विषय विशेषज्ञ के रूप में पटियाला से प्रशिक्षित हैं। उदयपुर से इन्होंने डॉक्ट्रेट की है। वॉलीबाल के खिलाड़ी के रूप में खास पहचान है, इनके मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में विद्यार्थी सफल हो चुके हैं।

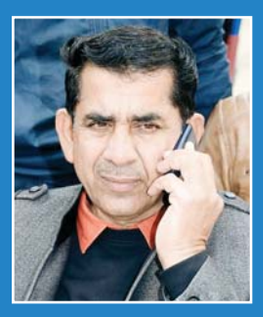

ये कोर्स उपलब्ध

- डीपीएड (12 वीं के बाद 2 साल का कोर्स)।
- बीपीएड (बीए, बीएससी या इसके समकक्ष के बाद 2 साल का कोर्स)।
- एमपीएड (बीपीएड के बाद 2 साल का कोर्स)।
- एमए/एमएसी योग।
- शारीरिक शिक्षा एवं योग में पीएचडी कोर्स भी संचालित।

टांटिया विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थी पशुधन सहायक बने

श्रीगंगानगर।

टांटिया विश्वविद्यालय (टीयू) के श्रीगंगानगर इंस्टीट्यूट ऑफ वेटनरी साइंसेस के दो विद्यार्थी प्रवीण कुमार एवं राकेश शर्मा पशुधन सहायक पद पर चयनित हुए हैं। समन्वयक दलजीत सिंह ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से जारी परीक्षा परिणाम में इनको यह उल्लेखनीय सफलता मिली है। राज्य सरकार के पशुपालन विभाग में टांटिया विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अजय कुमार, रामप्रताप, रिशु कुमार, सुनील कुमार एवं विनोद कुमार पहले ही पशुधन सहायक के रूप में चयनित हो चुके हैं। अपनी गुणवत्ता की शिक्षा एवं विद्यार्थियों के कॅरियर निर्माण के प्रति समर्पण के कारण श्रीगंगानगर इंस्टीट्यूट ऑफ वेटनरी साइंसेस की विशिष्ट पहचान है।

प्रवीण कुमार

राकेश शर्मा

टीयू के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना भारतीय विज्ञान कांग्रेस में व्याख्यान के लिए आमंत्रित

यह सम्मान पहले भी दो बार हो चुका है हासिल

प्रो. (डॉ.) एमएम सक्सेना

श्रीगंगानगर।

टांटिया विश्वविद्यालय (टीयू) के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना को भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन में व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया है। देश के वैज्ञानिकों के इस सर्वाधिक महत्वपूर्ण मंच पर प्रो. सक्सेना को पहले भी दो बार व्याख्यान देने का गौरव हासिल हो चुका है। आगामी सम्मेलन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का सतत विकास, ग्रामीण सीमांत समूह व महिलाओं के सशक्तीकरण में योगदान विषय पर उनका व्याख्यान होगा। गौरतलब है कि भारतीय विज्ञान कांग्रेस से 30 हजार से अधिक वैज्ञानिक जुड़े हुए हैं, राष्ट्रीय सम्मेलन में लगभग 10 हजार वैज्ञानिकों की सहभागिता रहती है। इसका सौ साल से अधिक का गौरवशाली इतिहास है। आजादी के बाद भारतीय विज्ञान कांग्रेस के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री करते रहे हैं।

व्याख्यान के लिए चोटी के वैज्ञानिकों को ही आमंत्रित किया टीयू के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना सफल वैज्ञानिक एवं कुशल प्रशासक हैं। उनके 150 से अधिक शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं, सात पुस्तकों के रचयिता प्रो. सक्सेना के निर्देशन में 22 पीएचडी एवं 26 एमफिल हो चुकी।

कृषि संकाय ने मनाया अनुसंधान परिषद का स्थापना दिवस

श्रीगंगानगर।

टांटिया विश्वविद्यालय (टीयू) के कृषि संकाय ने गुरुवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का 16 जुलाई को स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर पौधरोपण भी किया गया। डीन डॉ. विचित्र सिंह ने सभी को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि देश में हरित क्रान्ति लाने और कृषि में निरन्तर विकास में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने अग्रणी भूमिका निभाई है। रविना गहलोत, मुकेश कुमार, डॉ. देवाश्री, निधि जैन, कांता, महेंद्र, सुमन, मुदित जैन आदि मौजूद रहे।

अस्थि एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. विक्रम अरोड़ा ने कटने से बचाया महिला का पांव

जन सेवा हॉस्पिटल में हर रोज हो रहे सफल ऑपरेशन

श्रीगंगानगर।

जन सेवा हॉस्पिटल के वरिष्ठ हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. विक्रम अरोड़ा एक महिला रोगी के जीवन में खुशियों की बहार लाए हैं। श्रीगंगानगर की पुरानी आबादी की करीब 55 वर्षीय इस महिला ने यह उम्मीद लगभग छोड़ दी थी कि उसका एक पांव कटने से बच जाएगा, यह सुखद संयोग रहा कि वह इलाज के लिए जन सेवा हॉस्पिटल पहुंची।

डॉ. विक्रम अरोड़ा

डायबिटिक गेंगरीन के कारण इस महिला रोगी का पैर व टखना काला पड़ गया था। इस स्थिति में सामान्यतः मरीज को घुटने के नीचे से टांग को काटने की सलाह दी जाती है। डॉ. विक्रम ने एक विशेष तरह का ऑप्रेशन (चोपार्ट एम्पुटेशन) करके मरीज की टांग को कटने से बचा लिया और आज मरीज चलने-फिरने में सक्षम है। इस पूर्ण प्रक्रिया में मरीज को चार सप्ताह जन सेवा हॉस्पिटल में रहना पड़ा। फिजिशियन डॉ. राकेश सहारण की मदद से शुगर व संक्रमण को नियंत्रित किया गया।

डॉ. विक्रम के अनुसार मरीज को समय रहते डॉक्टर से मिलना चाहिए। डायबिटिक फुट की अन्य इलाज प्रक्रियाएं जैसे-वेक व फ्लेप सर्जरी की सुविधाएं भी जन सेवा हॉस्पिटल में रियायती दर पर उपलब्ध है।

रोटरी क्लब ने जन सेवा हॉस्पिटल परिसर में किया पौधरोपण

पर्यावरण संरक्षण को समय की जरूरत बताया

श्रीगंगानगर।

रोटरी क्लब श्रीगंगानगर ने हनुमानगढ़ रोड स्थित जन सेवा हॉस्पिटल में पौधरोपण किया। टांटिया विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना, अतिरिक्त निदेशक पवन गुप्ता, मीडिया हेड डॉ. विकास सचदेवा,शारीरिक शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह कस्वां, दी गंगानगर ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, क्लब के अध्यक्ष रवि सेतिया, सचिव सुनील मुंजाल, प्रोजेक्ट चेयरमैन डॉ. किरण अरोड़ा, उपाध्यक्ष प्रवीण नागपाल, संयुक्त सचिव सिमरनजीत कौर भाटिया, हरीश भाटिया, कोषाध्यक्ष सीए प्रिन्स बंसल, आगामी अध्यक्ष जयकुमार जसूजा, पूर्व अध्यक्ष गौरव गुप्ता, संजीव नारंग, पवन अनेजा, अनिल नागपाल, अनिल अग्रवाल, डॉ. रिता अरोड़ा, धर्मवीर डुडेजा, अमरजीत सिंह, धीरज सेठ, विनोद तिन्ना, मनोज गर्ग आदि मौजूद थे।

पौधरोपण से पूर्व वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण को समय की जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि कुदरत का कहर तभी थमेगा जब सभी पर्यावरण के प्रति सजग रहेंगे। इस मौके पर गमले में लगे तुलसी के पौधों का वितरण भी किया गया। हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह ने आभार ज्ञापित करते हुए बताया कि सिर्फ 10 रुपए में मरीज देखा जाता है, केवल 20 रुपए में भर्ती किया जाता है। तीन दिन भोजन भी निःशुल्क दिया जाता है। विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवा, जांच आदि रियायती दर पर उपलब्ध है।

मुझको फिर वही सुहाना नजारा मिल गया, इन आंखों को दीदार वही सारा मिल गया। अब किसी और की तमन्ना क्यूं मैं करूं, मुझे 'जन सेवा हॉस्पिटल' का सहारा मिल गया।।

नेत्र जांच
25000
से ज्यादा

लेजर मशीन से लाभान्वित
500
से ज्यादा

ऑप्रेशन
1000
से ज्यादा

अपेक्षाओं पर खरा उतर रहा है जन सेवा हॉस्पिटल का नेत्र रोग विभाग

श्रीगंगानगर।

मुझको फिर वही सुहाना नजारा मिल गया, इन आंखों को दीदार वही सारा मिल गया। अब किसी और की तमन्ना क्यूं मैं करूं, मुझे 'जन सेवा हॉस्पिटल' की बांहों का सहारा मिल गया-ये पंक्तियां भले ही किसी शायर की लगे लेकिन हकीकत में यह भावना है जन सेवा हॉस्पिटल के नेत्र रोग विभाग से लाभान्वित होने वाले एक या अनेक नहीं, हजारों मरीजों की। अपनी विशेषज्ञता और विश्वस्तरीय सेवाओं की वजह से इस विभाग ने कम समय में अधिक नाम कमाया है। हजारों-हजार मरीजों को लाभान्वित किया है। जो भी यहां आया है, उम्मीद से अधिक पाया है, अपेक्षाएं पूरी हुई है। विभाग की सफलता का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि 25000 से अधिक जनों की नेत्र जांच की जा चुकी, 500 से अधिक रोगी लेजर मशीन से लाभान्वित हुए हैं, 1000 से अधिक मरीजों की आंखों के ऑप्रेशन हो चुके। नाम मात्र शुल्क में मरीजों को देखा जाता है और सेवा दी जाती है गुणवत्ता की उच्चस्तरीय है। ऐसा होने के कारण ही नेत्र रोग विभाग आंखों से संबंधित इलाज का बड़ा सेंटर बन कर उभरा है। श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले के अलावा राजस्थान ही नहीं पड़ोसी प्रान्तों के दूर-दूर स्थानों से मरीज लाभ उठाने आ रहे हैं।

विशेषज्ञता का मिल रहा लाभ

डॉ. अरूण कुमार सी. पवार

डॉ. पल्लवी सहारण

नेत्र रोग विभाग के अध्यक्ष वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. अरूण कुमार सी. पवार एमएस में गोल्ड मेडलिस्ट हैं, स्कॉटलैंड के ग्लास्गो, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद से उच्च शिक्षित हैं। वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. पल्लवी सहारण वर्धा, मदुरई से उच्च शिक्षित हैं। इनकी उल्लेखनीय सेवाएं मिल रही हैं। चिकित्सकों की विशेषज्ञता तथा अनुभवी, प्रशिक्षित टीम का नेत्र रोगों से संबंधित मरीजों को भारी लाभ मिल रहा है।

...आंखें ही बसा देती है घराना किसी का

आंखें ही बना देती है फसाना किसी का, आंखें ही बना देती है दीवाना किसी का। आंखें ही हंसाती है, आंखें ही रुलाती है, आंखें ही बसा देती है घराना किसी का। सभी नेत्र रोगियों को इन पंक्तियों जैसा महत्व जन सेवा हॉस्पिटल के नेत्र रोग विभाग में दिया जाता है। विभागाध्यक्ष डॉ. अरूण कुमार सी. पवार के नेतृत्व में पूरी टीम प्राणपण से जुटी रहती है। विशेषज्ञ चिकित्सक और स्टाफ अत्याधुनिक एवं विश्वस्तरीय उपकरणों के साथ हर समय सेवा को तत्पर रहते हैं। स्टाफ प्रत्येक दो माह में कार्यशालाओं के माध्यम से भी नवीनतम तकनीक से अपडेट रहता है और मरीजों को फायदा पहुंचाता है।

सुविधाएं ही सुविधाएं

जन सेवा हॉस्पिटल के नेत्र रोग विभाग में सुविधाएं ही सुविधाएं हैं। ओपीडी कम्प्यूटराइज्ड है, नवीनतम तकनीक से आंखों की जांच होती है। काला मोतिया, सफेद मोतिया के सभी तरह के ऑप्रेशन किए जा रहे हैं। भेंगापन, नाखुना, पडवाल आदि से निजात दिलाई जा रही है। लेजर मशीन से किरणों के माध्यम से सफेद मोतिया की झिल्ली बिना ऑप्रेशन साफ की जा रही है। काला मोतिया के अचूक निदान की पेरीमीट्री मशीन उपलब्ध है। लेजर से भी काला मोतिया का खातमा किया जा रहा है। आंखों को बिना छुए दवाब की जांच की जा रही है। एल्कोन की विदेशी फेको मशीन से ऑप्रेशन कर आयातित लैंस का प्रत्यारोपण किया जा रहा है। छोटे बच्चों की आंखों से संबंधित तथा आंख में चोट लगने पर जरूरी ऑप्रेशन किए जा रहे हैं।

बड़ी योजनाओं पर हो रहा काम

अनेक बड़ी योजनाओं पर काम जारी है। रेटिना संबंधी इलाज, चश्मे हटाने की मशीन, मोडिलर ऑप्रेशन थियेटर निकट भविष्य में प्रस्तावित है। जिले का सबसे बड़ा आई बैंक शुरू करने की मंशा है। टेली मेडिसिन से सुसज्जित एम्बुलैंस से सेवा का दायरा बढ़ाने की योजना है, इसके अंतर्गत गांवों में ही विशेषज्ञ चिकित्सक की सेवाएं इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त हो जाएगी। स्कूल ऑफ आफ्टोमेट्री शुरू कर के नेत्र सहायकों एवं प्रशिक्षणार्थियां को ओपीडी एवं ओटी में प्रशिक्षित किया जाएगा।

'ऑप्रेशन दूरदृष्टि' का है सपना

जन सेवा हॉस्पिटल ऑप्रेशन दूरदृष्टि के नाम से बड़ा प्रोजेक्ट शुरू करने का सपना संजोए हुए है। इसके तहत तीन गांवों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लेकर नेत्र रोग मुक्त किया जाएगा। समय-समय पर विशेष शिविर इन गांवों में लगाए जाने प्रस्तावित है, जन जागृति की मुहिम ऐसी शुरू की जाएगी कि इन गांवों में कोई भी नेत्र रोगी ढूंढ़े नहीं मिलेगा। राष्ट्रीय अंधता निवारण अभियान में यह प्रोजेक्ट सभी के सहयोग से खासा उपयोगी साबित होगा।

जन जागृति में भी बहुत आगे

जन सेवा हॉस्पिटल का नेत्र रोग विभाग जन जागृति और सामाजिक सरोकारों में भी बहुत आगे है। श्रद्धेय डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया के जन्म दिवस पर उनकी स्मृति में सौ से अधिक जरूरमंद मरीजों की आंखों का निःशुल्क ऑप्रेशन किया जा चुका है। विश्व दृष्टि दिवस मनाया जाता है, नेत्र जागरुकता पखवाड़ा रखा जाता है। समय-समय पर निःशुल्क जांच एवं परामर्श शिविर रखकर बड़ी संख्या में लोगों को लाभ प्रदान किया जाता है। भामाशाह, आयुष्मान भारत जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ विभाग में मिलता है। राज्य सरकार के कार्मिकों के लिए भी हॉस्पिटल अधिकृत है।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया कोरोना जागरुकता का संदेश

श्रीगंगानगर।

जन सेवा हॉस्पिटल में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग कोरोना जागरुकता अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक रखा गया।

विभाग की सहायक निदेशक ऋतु सोढ़ी, हॉस्पिटल के अतिरिक्त निदेशक पवन गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह, मीडिया हैड डॉ. विकास सचदेवा, आईईसी कोर्डिनेटर राजकुमार जैन, जनसम्पर्क अधिकारी अमित वर्मा, विपणन प्रबंधक अरूण सक्सेना आदि मौजूद रहे। रंगकर्मी विजय भाटिया एवं उनकी टीम ने कोरोना की भयावहता का प्रभावी चित्रण किया और मास्क लगाने, सोशल डिस्टेंस रखने, हाथ नहीं मिलाने आदि का महत्व बताया। भाविका इसरानी, खुशबू भाटिया, निखिल इसरानी, हितार्थ भाटिया इस टीम में शामिल थे। उपस्थित जनों ने शानदार प्रस्तुति पर टीम की सराहना की, सहायक निदेशक ऋतु सोढ़ी एवं प्रस्तुति देने वाली टीम को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह एवं मीडिया हैड डॉ. विकास सचदेवा ने सम्मानित किया।

अति. निदेशक पवन गुप्ता को पितृ शोक

श्रीगंगानगर।

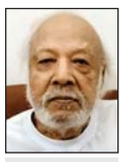
बृजलाल गुप्ता

टांटिया समूह के वरिष्ठ सदस्य, जन सेवा हॉस्पिटल के अतिरिक्त निदेशक पवन गुप्ता के पिता बृजलाल गुप्ता का सोमवार को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे पुत्र पवन गुप्ता, शिव गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, भाई मदनलाल सिंघल, रामेश्वरलाल सिंघल का भरापूरा परिवार छोड़कर गए हैं। टी-मीडिया परिवार शोक संवेदना व्यक्त करता है।

श्रद्धा से किया महर्षि चरक का स्मरण

श्रीगंगानगर।

टांटिया विश्वविद्यालय के आयुर्वेद महाविद्यालय में महर्षि चरक का उनकी जयंती पर बड़ी श्रद्धा से स्मरण किया गया।

चरक वाटिका में महर्षि चरक की प्रतिमा को माल्यार्पण किया गया एवं पुष्प अर्पित किए गए। प्राचार्य डॉ. सुभाष उपाध्याय, डॉ. अजय शर्मा, डॉ. ओमप्रकाश, डॉ. अनुपम पाठक, संकाय सदस्य आदि इस मौके पर मौजूद थे।

टांटिया विश्वविद्यालय आपका स्वागत करता है...

Tantia University
Excellence Innovation Achievement

शिक्षा के भंडार से, जीवन के सार से
विद्या के सागर का जल यहां बहता है
व्यक्तित्व के विकास से, मार्गदर्शन के प्रकाश से
राजस्थान के मस्तक पर ज्ञान का दीपक जलता है
मां सरस्वती की कृपा से उज्जवल भविष्य
आपका स्वागत करता है
श्रीगंगानगर की पावन धरती पर टांटिया विश्वविद्यालय आपका स्वागत करता है

गंगनहर के उदय से पवित्र है धरती
सूरज की किरणें सर्वप्रथम इसे प्रणाम करती
सफलता के कोष की कुंजी है यहां
शिक्षा के सार की पूंजी है यहां
जीवन के कठिन इम्तिहान में हौसलों की विजय आपका स्वागत करता है
श्रीगंगानगर की पावन धरती पर टांटिया विश्वविद्यालय आपका स्वागत करता है

कृषि विज्ञान- विधि- शारीरिक शिक्षा
शिक्षक प्रशिक्षण -चिकित्सा सेवा दे रहे नई दिशा
हीरे को तराश कर निखारते हैं यहां
विद्यार्थियों का भविष्य संवारते हैं यहां
संघर्ष और चुनौतियों की जंग में जीवन का लक्ष्य आपका स्वागत करता है
श्रीगंगानगर की पावन धरती पर टांटिया विश्वविद्यालय आपका स्वागत करता है

- डॉ आर. के. विश्वास, एच ओ डी (पैथोलॉजी विभाग)
श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, टांटिया यूनिवर्सिटी

मानसून डाइट : कच्चा खाने से बचें, सही तरीके से खाएं स्लाद

मानसून शुरू होते ही खान-पान पर बहुत असर दिखाई देता है। इस मौसम में खान-पान का बेहद ख्याल रखना होता है क्योंकि इस मौसम में इंफेक्शन जल्द ही पकड़ लेता है। इसके अलावा इस मौसम में इस बार ज्यादा सावधानी बरतने की इसलिए भी जरूरत है क्योंकि कोरोना का कहर बरपाना चारों तरफ जारी है। रोग प्रतिरोधक क्षमता भरपूर होनी चाहिए। मौसम में अपनी सेहत का ख्याल रखना बहुत जरूरी है,ऐसा करेंगे तभी स्वस्थ रह पाएंगे। कई लोगों को मानसून डाइट के बारे में ज्यादा मालूम नहीं होता इसलिए वे कुछ भी अनाप-शनाप खा लेते हैं। इसकी वजह से फूड प्वाइजनिंग और डायरिया जेसी समस्याएं होने लगती है। गलत तरीके से सलाद और सब्जियां खाने से भी लोग बीमार पड़ सकते हैं। हेल्दी समझा जाने वाला सलाद भी अगर बारिश के मौसम में सही तरीके से नहीं खाया जाए तो बीमार पड़ सकते हैं।

डॉ. शुभिता मेहंदीरत्ता
आहार विशेषज्ञ, जन सेवा हॉस्पिटल

इस मौसम में क्या नहीं करना : बरसात के मौसम में कीड़े, फंगस और बैक्टीरिया बहुत अधिक पनपते है, ये कई बार आंखों से दिखाई नहीं देते, इसलिए कच्ची और हरी पत्तेदार सब्जियों को बिना उबाले खाने से बचना चाहिए। बरसात के मौसम में किसी भी सब्जी को कच्चा नहीं खाना चाहिए, इसमें भी सब्जी पत्तेदार हो तो अधिक सावधानी रखी जाए। इन पत्तों को गर्म पानी में धोकर कुछ देर इसी पानी में छोड़ देना चाहिए और फिर इन्हें दोबारा धोकर खाना चाहिए।

बदल दीजिए सलाद का तरीका : आमतौर पर कच्चे फलों और सब्जियों की सलाद खाना पसंद किया जाता है लेकिन बरसात के मौसम में इस शौक को थोड़ा सा बदलना चाहिए। स्वस्थ रहने के लिए सलाद तो इस मौसम में भी खानी चाहिए क्योंकि शरीर में फाइबर की मात्रा की पूर्ति करनी है।

बरसात के समय सलाद को उबाल कर खाना चाहिए। जिन कच्चे फल या सब्जियों की सलाद खाना चाहते है, अच्छी तरह धोकर उबाल लेना चाहिए, इसके बाद अपने मनपसंद तरीके से सलाद तैयार करना चाहिए। ऐसा करने से बरसात की वजह से पनपने वाले फंगस और बैक्टीरिया से बचाव होगा।

टांटिया हॉस्पिटल की एमआरआई व सीटी स्केन जैसी जांच सुविधाओं का बज रहा डंका

रेडियोडाइग्नोसिस एंड इंटरवेशनल रेडियोलॉजी विभाग में उपलब्ध हैं विश्वस्तरीय जांच उपकरण

श्रीगंगानगर।

जिला मुख्यालय के सुखाडिया मार्ग स्थित टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के रेडियोडाइग्नोसिस एंड इंटरवेंशनल रेडियोलोजी विभाग की ख्याति दूर-दूर तक है। विशेषज्ञता, अत्याधुनिक उपकरणों और विश्वसनीयता की त्रिवेणी होने की वजह से दूर-दूर के मरीज यहां जांच के लिए आते हैं और लाभ उठाते हैं। डॉ. नेहा अग्रवाल, डॉ. एम. जुबेर एवं उनकी टीम की सराहनीय सेवाओं से रोगियों और उनके परिजनों को पूरी संतुष्टि मिलती है।

डॉ. एम. जुबेर

होती है महत्वपूर्ण जांचें

महत्वपूर्ण जांचें टांटिया हॉस्पिटल में हो रही है। बेरियम स्टडी के अंतर्गत मुंह से दवा पिलाकर आंतों की जांच गहनता से जांच की जाती है। गुर्दे, गुर्दे की नलिकाओं, पेशाब की थैली एवं पेशाब के रास्ते की नलिकाओं की जांच हो रही है। स्तन की गांठ (एचएसजी)आदि का पता लगाने के लिए मेमोग्राफी की जाती है। बच्चेदानी की नली की रूकावट की जांच की जा रही है।

सीटी स्केन की बेहतरीन सुविधा

टांटिया हॉस्पिटल में सी.टी.स्केन जांच की चर्चा चहुं ओर है। पूरे शरीर की 16 स्लाइड विस्तृत जांच की सुविधा उपलब्ध है। ट्रिपल फेज इमेजिन से लीवर की गांठ का पता लगाया जाता है। सी.टी.एंजियोग्राफी से खून की नलिकाओं की रूकावट का पता लगाया जाता है, थक्के का पता लगाया जाता है। एंजियोग्राफी में ऑटो बोन एक्सप्रेस तकनीक से धमनियों, रक्त की नलिकाओं की इमेजिन बनाई जाती है, यह फंक्शन श्रीगंगानगर में केवल टांटिया हॉस्पिटल में ही उपलब्ध है।

मल्टी स्लाइस सी.टी. से थ्री डायमेन्शल (थ्री-डी) इमेज से हड्डियों की जांच की जाती है। सी.टी. यूरोग्राम से हर तरह की गुर्दे एवं रास्ते की पथरी का पता लगाया जाता है।

सीटी वर्चुअल ब्रोंकोस्कोपी से श्वास की नलिकाओं में फोरेन बॉडी का पता लगाया जाता है। रंगीन कोंट्रास्ट सी.टी. स्केन से हर प्रकार के कैंसर का पता लगाया जाता है। सी.टी. इंटेरोग्राफी से आंत की सभी तरह की बीमारी का पता लगाया जाता है।

डॉ. नेहा अग्रवाल

सोनोग्राफी जांच का खूब उठाया जा रहा फायदा

टांटिया हॉस्पिटल में होने वाली सोनोग्राफी जांच का भी मरीज और उनके परिजन खूब फायदा उठा रहे हैं। अत्याधुनिक मशीन एवं विशेषज्ञता की वजह से इसकी विश्वसनीयता है। सोनोग्राफी साधारण एवं रंगीन की जाती है।

रंगीन से खून की नलियों में बहाव का पता लगाया जाता है। टांटिया हॉस्पिटल के इस विभाग में शरीर के हर भाग की सोनोग्राफी कर बीमारी का पता लगाया जाता है। लेवल 2 सोनोग्राफी से मां के पेट में पल रहे बच्चे से जुड़ी बीमारी तक का पता लगाया जाता है।

एमआरआई की सुलभ सुविधा पाती है सराहना

एम.आर.आई. की सुलभ सुविधा की वजह से टांटिया हॉस्पिटल की खूब सराहना हो रही है, 1.5 टेस्ला एम.आर.आई. सुविधा उपलब्ध है। श्रीगंगानगर में एक मात्र यहीं 16 चैनल कोइल के साथ अत्याधुनिक मशीन है। प्रत्येक बॉडी पार्ट की अलग से कोइल उपलब्ध है। यह एम.आर.आई. की गुणवत्ता को बढ़ाता है। इससे शरीर में हर प्रकार की बीमारी का पता लगता है। एडवांस एम.आर.आई. सुविधा भी टांटिया हॉस्पिटल में उपलब्ध है। एम आर सपेक्ट्रोस्कोपी, एम आर सिस्टेनोग्राम की सुविधा उपलब्ध है। दिमाग में कोई भी पानी लीक का पता लगाया जा सकता है। शरीर में छोटी से छोटी गांठ का पता भी लगाया जाता है।

डॉ. एम. जुबेर को एम्स का भी अनुभव

टांटिया हॉस्पिटल के रेडियो डाइग्नोसिस एंड इंटरनेशनल रेडियोलोजी विभाग के डॉ. एम. जुबेर को नई दिल्ली स्थित एम्स से प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

रेडियो डाइग्नोसिस में एमडी डॉ. एम. जुबेर को इंटरनैशनल रेडियोलोजी में हर तरह के कार्य का अनुभव है। दिमाग की एंजियोग्राफी, दिमाग की नलियों में रूकावट हटाने, किडनी की नलिकाओं में रूकावट का पता लगाने तथा बैलून एवं स्टंट से रूकावट हटाने में डॉ. एम. जुबेर सिद्धहस्त हैं। खून की उलटी तुरंत प्रभाव से रोकने की विशेषज्ञता भी डॉ. जुबेर को हासिल है।

टी-क्लिक

होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की शान है लाइब्रेरी

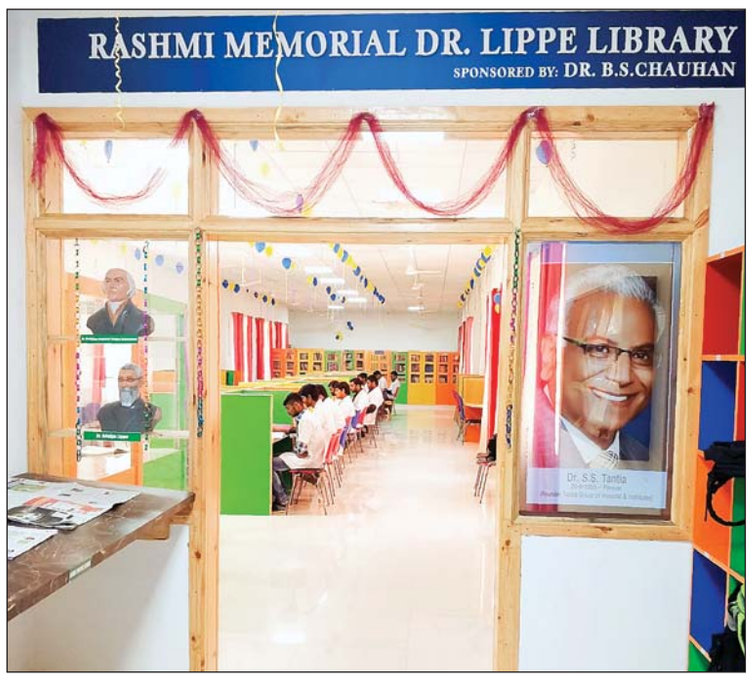

टांटिया विश्वविद्यालय परिसर में होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की 'रश्मि मेमोरियल डॉ. लिपे लाइब्रेरी' की छटा देखते ही बनती है। आठ हजार से अधिक पुस्तकें, उपलब्ध अध्ययन सामग्री और इसके वातावरण की ज्ञानार्जन में महत्वपूर्ण भूमिका है।

टी क्लिक: टांटिया समूह के किसी भी संस्थान की उपलब्धियों, सेवाओं, सुविधाओं अथवा इंफ्रास्ट्रक्चर को दर्शाती हुई एक तस्वीर हर आपके सौजन्य से 'टी क्लिक' के तहत प्रकाशित की जा रही है। यदि आप भी फोटोग्राफी में रूचि रखते हैं तो उठाइए कैमरा और ऐतिहासिक पलों को दर्ज कर हमें अपने नाम व विवरण के साथ ई-मेल (tmedia@tantiauniversity.com) कर दीजिए।

टांटिया समूह चलाएगा कैंसर जागरुकता अभियान

श्रीगंगानगर।

कैंसर की कमर तोड़ने के लिए टांटिया समूह की पहल पर गांव-ढाणी तक जागरुकता अभियान चलेगा। हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया विश्वविद्यालय परिसर स्थित डॉ. एस.एस. टांटिया एससीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में मुंह व गला कैंसर दिवस पर रखे गए कार्यक्रम में विशिष्ट जनों की उपस्थिति में यह तय हुआ। इस अभियान में सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय सहभागिता रहेगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर (सतर्कता) अरविन्द कुमार जाखड़, श्रीगंगानगर चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष विजय जिन्दल, जागृति संस्थान के संदीप बंसल, हैली प्रीमियम वाटर के निदेशक रजत वाट्स, लायन्स क्लब के सचिव पवन अग्रवाल, बार संघ के पूर्व सचिव एडवोकेट पूर्ण घोड़ेला अतिथि के रूप में मौजूद थे।

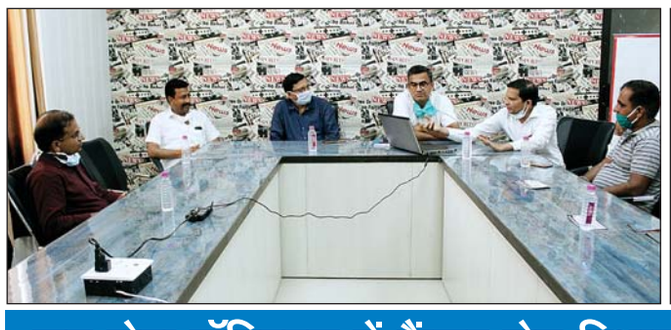

जन सेवा हॉस्पिटल में कैंसर रोग विभाग साबित होगा आशा की किरण

इस मौके पर रखे गए संक्षिप्त कार्यक्रम में जाखड़ ने कहा कि कैंसर से बचाव के लिए जन जागृति और इसके कारण नष्ट करने की आवश्यकता है। जन सेवा हॉस्पिटल में मुंह, गला एवं थॉयराइड कैंसर रोग विभाग की विधिवत शुरूआत भी अतिथियों ने फीता काट कर की। उन्होंने विभाग से लाभान्वित हुए कई मरीजों से बात की। कैंसर रोग के विभागाध्यक्ष डॉ. महेश के. मोहता, डॉ. पी.सी. स्वामी एवं डॉ. मनोज गर्ग ने कैंसर के कारण, लक्षण, उपचार आदि के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह विभाग कैंसर से संबंधित मरीजों के लिए आशा की किरण साबित होगा। विजय जिन्दल ने कहा कि उनका विजय जिन्दल चैरिटेबल ट्रस्ट कैंसर जागरुकता अभियान में पूरा सहयोग देगा। पवन अग्रवाल एवं एडवोकेट पूर्ण घोड़ेला ने टांटिया समूह की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से ही कैंसर जैसी बीमारी को रोका जा सकता है। प्रारम्भ में हॉस्पिटल के अतिरिक्त निदेशक पवन गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह एवं मीडिया हेड डॉ. विकास सचदेवा ने स्वागत किया। आईईसी कोर्डिनेटर राजकुमार जैन ने बताया कि टांटिया समूह सामाजिक सरोकारों में अग्रणी है। कोरोना काल में प्रशासन को दिए गए सहयोग के बारे में भी बताया। सीटीवीएस सर्जन डॉ. आशीष एम. अग्रवाल, डॉ. दिव्या ए. अग्रवाल, टीबी एवं चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय सोलंकी, दंत रोग विशेषज्ञडॉ. सी.पी. अग्रवाल आदि इस दौरान मौजूद रहे। जन सेवा हॉस्पिटल में मात्र 10 रुपए में मरीज देखा जा रहा है, 20 रुपए में भर्ती किया जा रहा है। कैंसर संबंधी उपचार भी रियायती दर पर उपलब्ध करवाया गया है।

पुण्य स्मृति: श्रद्धेय डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया
मार्गदर्शक: डॉ. विशु टांटिया
मुख्य सम्पादक: डॉ. विकास सचदेवा (मो. : 9461221718)
कार्यकारी सम्पादक: राजकुमार जैन (मो. : 8005519250)
पुण्य स्मृति: श्रद्धेय श्रीमती शकुन्तला देवी टांटिया

टांटिया समूह द्वारा जनहित में निःशुल्क प्रसारित-प्रचारित। सर्वाधिकार सुरक्षित। बिना अनुमति, दुर्भावनावश, किसी भी अंश को कांट-छांटकर या सौजन्य उल्लेख के बिना उपयोग में लाए जाने पर दण्डनीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। - मुख्य सम्पादक
मुख्य कार्यालय : टी मीडिया, द्वितीय तल, जन सेवा हॉस्पिटल, टांटिया विश्वविद्यालय परिसर, हनुमानगढ़ मार्ग, श्रीगंगानगर-335002